हिन्दी का व्यावहारिक व्याकरण

युनिट-3

(1) कारक की परिभाषा और उसके भेद ।
(2) विरामचिह्नों का परिचय ।
(3) समास की परिभाषा और उसके उदाहरण ।

युनिट-3

प्र.1 समास की परिभाषा और उसके उदाहरणः

समास का अर्थ है - संक्षेप । कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ प्रकट करे उसे समास कहते हैं ।

समास के निम्नलिखित प्रकार है और उन प्रकारों के उदाहरण को इस प्रकार से प्रस्तुत कर सकते हैं। जैसे–

(1) अव्ययभाव समासः

अव्ययभाव का लक्षण है जिसमें पूर्व पद की प्रधानता हो और समासिक या समास पद अवयव हो उसे अव्ययीभाव समास कहा जाता है।

उदाः प्रतिदिन, यथासंभव, यथाशक्ति

(2) तत्पुरुष समासः

तत्पुरुष समास में अंतिम पद प्रधान होता है। इस समास में साधारणतः प्रथम पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य होता है ।

उदाः स्वर्गप्राप्त - स्वर्ग की प्राप्ति ।

आशातीत – आशा को अतीत

(3) कर्मधारय समासः

जिस तत्पुरुष समास के समस्त होनेवाले पद समानाधीकरण हो उसे कर्मधारय समास कहते हैं ।

उदा. - पिताम्बर

(4) द्विगु समासः

जिस कर्मधारय का पूर्व पद संख्यावाचक हो उसे द्विगुवाचक समास कहते हैं ।

उदा. - चौराहा

(5) बहुव्रीहि समासः

समास में आए पदों को छोड़कर जब किसी अन्य पदार्थ की प्रधानता हो उसे बहुब्रीहि समास कहते हैं ।

उदा.- पिताम्बर

(6)द्वन्द्व समासः

द्वन्द्व समास में सभी पद प्रधान होते हैं और इसमें 'और' शब्द का लोप होता है ।

उदा. रामश्याम=राम और श्याम

भाईबहन = भाई और बहन

पितापुत्र = पिता और पुत्र

मा-बाप = मा और बाप

प्र.2 विरामचिन्हों का परिचय ।

पूर्व विरामः	।
अल्प विरामः	,
अर्ध विरामः	;
प्रश्नवाचक चिह्नः	?
विस्मय बोधक चिह्नः	!
उद्धरण चिह्नः	(“ ” और ‘ ’)
योजक चिह्नः	(-)
रेखोज चिन्हः	(-------)

विवरण चिह्नः	(:-)
संक्षेपः	(:)
निर्देशनः	(_)
कोष्टकः	(( ), { }, [ ])
हसपदः	(^)
अपुण्तो स्पदकः	(+ + + +)
स्थूल पूरकः	(.....)
टीका सूचकः	(*, | +)

पद टिप्पणीः	(1, 2, 3)
तुल्यता सूचकः	(= = =)
पुनरुक्तिः	(” “)
आदि समाप्ति सूचकः	(..... : 0 : .....)
तीरः	(➔)
कोलमः	(:)

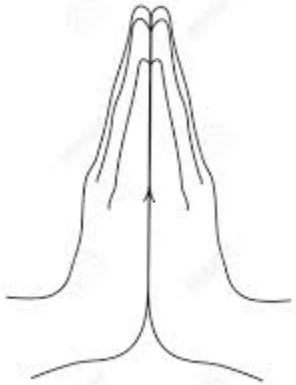

धन्यवाद